

॥ श्री माँ दुर्गा जी की पावन आरती ॥

माँ बम्लेश्वरी देवी तीर्थ क्षेत्र, डोंगरगढ़ (छ.ग.) — नित्य स्तुति संग्रह

श्री अम्बे जी की आरती (जय अम्बे गौरी)

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी ।

तुमको निसदिन ध्यावत, हरि ब्रह्मा शिवरी ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

मांग सिन्दूर विराजत, टीको मृगमद को ।

उज्ज्वल से दोउ नैना, चन्द्रवदन नीको ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

कनक समान कलेवर, रक्ताम्बर राजै ।

रक्तपुष्प गल माला, कण्ठन पर साजै ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

केहरि वाहन राजत, खड्ग खप्पर धारी ।

सुर-नर-मुनिजन सेवत, तिनके दुःखहारी ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

कानन कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती ।

कोटिक चंद्र दिवाकर, राजत सम ज्योति ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

शुम्भ-निशुम्भ बिदारे, महिषासुर घाती ।

धूम्र विलोचन नैना, निशदिन मदमाती ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

चौंसठ योगिनि गावत, नृत्य करत भैरू ।

बाजत ताल मृदंगा, अरु बाजत डमरू ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता ।

भक्तन की दुःख हरता, सुख सम्पति करता ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

भुजा चार अति शोभित, वरमुद्रा धारी ।

मनवांछित फल पावत, सेवत नर-नारी ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

कंचन थाल विराजत, अगर कपूर बाती ।

श्री मालकेतु में राजत, कोटि रतन ज्योती ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

श्री अम्बे जी की आरती, जो कोई नर गावै ।

कहत शिवानन्द स्वामी, सुख-सम्पत्ति पावै ॥ ॐ जय अम्बे गौरी...

॥ क्षमा प्रार्थना एवं पुष्पांजलि मंत्र ॥

अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया ।

दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व परमेश्वरि ॥

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम् ।

पूजां चैव न जानामि क्षम्यतां परमेश्वरि ॥

सरल भावार्थ: हे परमेश्वरि! मेरे द्वारा दिन-रात सहस्रों अपराध होते रहते हैं। 'यह मेरा सेवक है' ऐसा मानकर मेरे अपराधों को क्षमा करें। मैं न आवाहन जानता हूँ, न विसर्जन और न ही पूजा की विधि। हे माँ! मुझ पर कृपा कर क्षमा करें।

माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर ट्रस्ट, डोंगरगढ़ (राजनांदगांव, छत्तीसगढ़) — वेबसाइट डाउनलोड प्रति